4. हिंदी (केंद्रिक) (कोड सं. 302)

कक्षा-11

एक प्रश्नपत्र | समय 3-घंटे | पूर्णांक-100

	विषय-सामग्री		अंक
1.	'वासंती' - भाग 1	30	40
2.	'विविधा' भाग 1	10	
3.	व्याकरण, अपठित बोध तथा रचना (निबंध और पत्र)	25 + 10 + 5 + 10	50
4.	मौखिक अभिव्यक्ति (सुनना और बोलना)	5 + 5	10

1. वासंती-भाग-1 30

काव्य- भाग : 15

- दो में से एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या 5
- काव्याशों के सौंदर्य बोध पर दो प्रश्न 3 + 3 6
- कविता की विषय वस्तु से संबंधित तीन में से दो लघूत्रात्मक प्रश्न 2 + 2 4

गद्य-भाग 15

- दिए गए दो में से एक गद्याशों पर आधारित अर्थ-ग्रहण संबंधी दो प्रश्न 3 + 3 6
- पाठों की विषय वस्तु पर आधारित चार में से तीन बोधात्मक प्रश्न 3 + 3 + 3 9

2. विविधा भाग-1 10

- पाठों की विषय वस्तु पर आधारित चार में से तीन लघूत्रात्मक प्रश्न 2 + 2 + 2 6
- विषय वस्तु पर आधारित दो में से एक बोधात्मक प्रश्न 4

3.व्याकरण, अपठित बोध और रचना 50

क. (व्याकरण-शब्दबोध, वाक्य-बोध, मुहावरे-लोकोक्तियाँ) 25

शब्द-बोध और वाक्य बोध 16

शब्द-बोध

(i) शब्द-निर्माण, शब्दकोश के वर्णक्रमानुसार शब्द-सूची तैयार करना 3

(ii) प्राय: समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द 3

(iii) अनेकार्थक शब्द 3

(iv) वाक्याशं के लिए एक शब्द 3

(v) पर्यायवाची शब्द 2

(vi) विलोम शब्द 2

वाक्य-बोधः 9

(i) वाक्यों का वर्गीकरण और वाक्य-रूपान्तरण 3

(ii) विराम-चिह्नों का प्रयोग 2

(iii) पाठ्य पुस्तक में प्रयुक्त मुहावरे और लोकोक्तियाँ (वाक्य प्रयोग) 4

ख अपठित-बोधः 10

एक गद्यांश और एक काव्यांश पर आधारित (4-5) बोध प्रश्न 5 + 5

ग पत्र-लेखन 5

विविध प्रकार का पत्राचार, आवेदन- पत्र या स्मरण-पत्र

अथवा

विविध प्रपत्र -बैंक, डाकघर, तार, रेल आरक्षण आदि से संबंधित

घ निबंध-लेखन 10

(किसी सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक या समसामयिक विषय पर निबंध-लेखन)

निर्धारित पुस्तकें

1. **वासंती- भाग-1-** : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
2. **विविधा- भाग-1- संशोधित संस्करण** : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
3. **हिंदी- व्याकरण और व्यवहार संशोधित संस्करण** : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

स्पष्टीकरण :

रचनात्मक प्रश्नों से तात्पर्य ऐसे प्रश्नों से है, जिनसे विद्यार्थी की सृजनात्मक क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके। इसके लिए अपेक्षित है- तथ्यों के आधार पर अपने शब्दों में प्रस्तुति, दिए गए कथ्य के समानान्तर मौलिक कल्पना तथा विद्या/शैलीगत रुपान्तरण।

4. मौखिक अभिव्यक्तिः (सुनना और बोलना) 10

श्रवणः (सुनना), वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप, वाद-विवाद, भाषण, कवितापाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना। 5

बोलना : (भाषण, सस्वर कविता-पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम-प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद-वाचन।) 5

वार्तालाप की दक्षताएँ :-

टिप्पणी : वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा। निर्धारित 10 अंकों में से 5 श्रवण (सुनना) के मूल्यांकन के लिए और 5 (बोलना) के मूल्यांकन के लिए होंगे।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन :-

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। परीक्षार्थी परीक्षक/अध्यापक को सुनते-सुनते अलग कागज़ पर दिए हुए श्रवण-बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे।

अभ्यास रिक्तस्थान पूर्ति, बहुविकल्पी अथवा सही/गलत का चुनाव आदि विधाओं मे हो सकते हैं। आधे-आधे अंक के 10 परीक्षण-प्रश्न होंगे।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन :-

1. चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन : इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. किसी चित्र का वर्णन : (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं।)
3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सके।
4. कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी : परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।

- विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
- निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव-जगत के हों जैसे :
  - -कोई चुटकला या हास्य प्रसंग सुनाना।
  - -हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे सिनेमा की कहानी सुनाना।

जब परीक्षार्थी बोलना आरंभ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

श्रवण (सुनना)	वाचन (बोलना)
विद्यार्थी में -	विद्यार्थी
1. परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसबंद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1. केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
2. छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संद्र्भों में समझने की योग्यता है।	2. परिचित संद्र्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।

3. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।

4. दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।

5. जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।

3. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियां करता है, जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।

4. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा-प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रुकावट नहीं आती।

5. उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

कक्षा-12

एक प्रश्नपत्र **समय 3-घंटे** **पूर्णांक-100**

	विषय-सामग्री	अंक
1.	वासंती-भाग-2	30
2.	विविधा भाग-2	10
3.	उपन्यास (विराटा की पद्मिनी)	10
4.	व्याकरण, अपठित-बोध और रचना	50

1. **(वासंती-भाग-2)** **30**

काव्य-भाग 15

(1) दो में से किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या 5

(2) काव्यांश के सौदर्य बोध पर दो प्रश्न 3 + 3 6

(3) कविताओं की विषयवस्तु से संबंधित तीन में से दो लघूत्तरात्मक प्रश्न 2 + 2 4

गद्य-भाग 15

(1) दो में से किसी एक गद्यांश पर आधारित अर्थ-ग्रहण संबंधी 3 प्रश्न 6

(2) पाठों की विषयवस्तु पर आधारित चार में से तीन बोधात्मक प्रश्न 3 + 3 + 3 9

2. **विविधा-भाग-2** **10**

(1) पाठों की विषय वस्तु पर आधारित चार में से तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न 2 + 2 + 2 6

(2) विषयवस्तु पर आधारित दो में से एक बोधात्मक प्रश्न 4

3. उपन्यास : (विराट की पद्मिनी)

(1) कथावस्तु पर आधारित तीन में दो प्रश्न 3 + 3 — 10

(2) चरित्र-चित्रण अथवा उदेश्य पर आधारित शब्दों में से एक निबंधात्मक प्रश्न — 6

4 व्याकरण, अपठित-बोध और रचना — 4

क व्याकरण — 50

- पद-परिचय — 25
- वाच्य-रूपान्तरण — 3
- समास-विग्रह और समास की पहचान — 3
- वाक्य अशुद्धि-शोधन — 4
- वाक्य-भेद और वाक्य-रूपान्तरण — 3
- वाक्य-विश्लेषण और वाक्य-संश्लेषण — 4
- लोकोक्तियां और मुहावरे (पाठ्य पुस्तक पर आधारित) — 4

ख अपठित-बोध — 4

- गद्यांश-बोध (लगभग 150 शब्दों के गद्यांश पर आधारित 3-5 प्रश्न) — 10
- पद्यांश-बोध (लगभग 150 शब्दों के पद्यांश पर आधारित 3-5 प्रश्न) — 5

ग रचना : — 5

- पत्र-लेखन (औपाचारिक और अनौपचारिक) — 15
- निबंध लेखन — 5

(सामाजिक सांस्कृतिक, नैतिक अथवा समसामयिक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध) — 10

निर्धारित पुस्तकें:

1. **वासंती-भाग-2** पाठ्य पुस्तक: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
2. **विविधा-भाग-2** राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वार प्रकाशित।
3. **विराटा की पद्मिनी** (उपन्यास): लेखक वृंदावन लाल वर्मा, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
4. **हिंदी-व्याकरण और व्यवहार** : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित